an>

Title: Need to take effective steps for eradication of Tuberculosis in the country.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) ः भारत में एक समय राजरोग कहलाने वाली टी.बी. की बीमारी देश में पुनः चिंताजनक बन रही है। डब्ल्यू.एच.ओ. के वर्तमान आंकड़ों के मुताबिक 2014 में भारत में 22 लाख केस, 2015 में 28 लाख केस सामने आए। यह संख्या सिर्फ सरकारी अस्पतालों के मरीजों की है लेकिन निजी अस्पतालों में इसके आंकड़ें उपलब्ध नहीं है। दुनिया भर में कुल 1 करोड़ 4 लाख टी.बी. पेशेंट हैं जिनमें से 25 प्रतिशत से ज्यादा भारत में है। दुनिया में किसी भी देश में टी.बी. के इतने मरीज नहीं हैं। लॉसेंट जरनल की जानकारी के मुताबिक भारत में 4 लाख 80 हजार लोग टी.बी. की बीमारी की वजह से मृत्यु को प्राप्त हो गए।

दूसरों के संबंध में आने से फैलने वाले रोगों से ग्रस्त मरीजों की होने वाली मृत्यु में टी.बी. प्रथम स्थान पर है। टी.बी. की असरकारक दवाई अब बे-असर होती जा रही है। देश के राज्यों में कई अस्पताल 90 के दशक में टी.बी. पर काबू पाने के तहत बंद किए गए। लेकिन अब इस बीमारी ने फिर से सिर उठाना शुरू कर दिया है। हमें इसकी नई व प्रभावी दवाईयां ढूंढनी पड़ेंगी क्योंकि बी.सी.जी. का टीकाकरण सिर्फ बच्चों के लिए ही प्रभावी रूप से काम करता है। कुपोषण के कारण टी.बी. की बीमारी जोर पकड़ती है। अमीरों की तुलना में गरीब वर्ग में इसके फैलावे का परिणाम 3-4 गुना ज्यादा है। इस पर सुनियोजित ढंग से काबू पा लेना पड़ेगा। आज क्षय की बीमारी को अक्षय बनने से रोकना पड़ेगा।

मेरी मांग है कि देश से टी.बी. की बीमारी को जड़मूल से खत्म करने हेतु सरकार द्वारा भरसक प्रयास किए जाएं।